B.A. PART-1

हिन्दी (प्रतिष्ठा) द्वितीय-पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास (मध्ययुगीन इतिहास एवं काव्य)

आधुनिककाल

1

शेषभाग-4

प्रश्न:- आधुनिक काल की परिस्थितियाँ बतायें ?

उत्तर:- शेषभाग

(ख) आर्थिक परिवेश

सन् 1857 के पश्चात् अँग्रेजों की शासन-सत्ता भारत में भली प्रकार जम गई, जिसके फलस्वरूप सामन्ती व्यवस्था और संस्कृति का लोप हुआ। अँग्रेज यहाँ शासक और व्यापारी दोनों एक साथ बनकर रहे। परिणामस्वरूप लूट-खसोट ही उनके शासन का उद्देश्य रहा। हमारे देश की समाज-व्यवस्था और अर्थ-व्यवस्था में आरम्भ से इस प्रकार का प्रावधान था कि हर गाँव अपने आप में आत्मनिर्भर था। यह निर्भरता देशी व्यवसाय में थी। अँग्रेजों ने अपने लाभ के लिए सबसे पहले देशी व्यवसायों को समूल नष्ट कर दिया। उनके द्वारा किये गये औद्योगीकरण से देश आर्थिक पराधीनता में इस प्रकार जकड़ गया कि आज स्वाधीन भारत में भी हम उसके फल भोग रहे हैं।

उनके द्वारा प्रस्तुत शिक्षा-पद्धति भी आर्थिक पराधीनता को बनाये रखने में सहायक हुई। भारत एक कृषि-प्रधान देश रहा है, किन्तु अँग्रेजों के शासन-काल में जमींदारी प्रथा को प्रोत्साहन प्राप्त हुआ, फलस्वरूप सामान्य किसान को दोनों ओर से लूटा जाने लगा। आये-दिन के अकाल, महामारी और उस पर जमींदारों का अत्याचार। एक प्रकार से किसानों तथा मजदूरों का जीवन नारकीय यातनाओं से भी निकृष्ट हो गया। कुटीर उद्योग और ग्रामोद्योग नष्ट हो जाने से हमारे लोगों के अँगूठे कट गये और कृषि पर नये जमींदारों के अधिकार होने से वे पूरी तरह से निराधार हो गये। कृषि और उद्योगों में पूँजीवाद का बोलबाला हो गया। श्रमजीवी जनता निर्दय शोषण का अभिशाप भोगने के लिए विवश हो गयी। गाँधी जी का 'स्वदेशी आन्दोलन' इसी शोषण से मुक्ति पाने के लिए किया गया था।

स्वाधीनता के बाद जमींदारी प्रथा पूरी तरह

से नष्ट हो गयी। पूँजीवादी व्यवस्था को समाप्त करने का प्रयास भले ही हुआ हो, किन्तु उत्तरोत्तर हमारा देश इसी व्यवस्था के चुंगल में फँसता चला गया। उद्योगों में ही नहीं, जीवन का हर क्षेत्र पूँजीपतियों के अधिकार में है। परिणामस्वरूप समाज में भयानक विषमता फैलती गयी। रूस और समाजवाद के नारे लगाये जाते रहे और दूसरी ओर स्वाधीन भारत को निरन्तर लीलता हुआ पूँजीवाद - रुपी अजगर हमारे वर्तमान सामाजिक परिवेश की विडंगति है।

(शेष बचा है।)

पता :-
डॉ० समदर्शी कुमार
विभाग- हिन्दी (S.R.T.A.P.C) (B.R.A.B.U.M)
दिनांक - 07.02.2023
मो० नं० - 7909046087